

धर्मेन्द्र प्रधान  
धर्मेश्वर प्रधान  
Dharmendra Pradhan



75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

मंत्री  
शिक्षा; कौशल विकास  
और उद्यमशीलता  
भारत सरकार



Minister  
Education; Skill Development  
& Entrepreneurship  
Government of India

## संदेश

हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर सम्पूर्ण शिक्षा जगत को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !

मनुष्य के भावों, विचारों, अनुभवों एवं आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से ही सम्भव है। भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में सरकार और जनता के बीच आमजन की भाषा ही संपर्क की भाषा के रूप में सफल और सार्थक हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए ही संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया था। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत यह निर्देश दिया गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा। संविधान द्वारा हमें दायित्व मिला है कि संघ हिन्दी भाषा का विकास करे और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात करते हुए तथा संस्कृत और अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।

माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों, चाहे वो अभी हाल ही में संपन्न जी-20 सम्मेलन हो या ब्रिक्स सम्मेलन या कोई भी अन्य मंच हो, वहाँ पर उनके द्वारा हिन्दी में किए गए संबोधन दर्शाते हैं कि वैश्विक स्तर पर हिन्दी का महत्व दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है।

हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर मैं शिक्षा मंत्रालय एवं उससे सम्बद्ध समस्त कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आशा एवं अपेक्षा करता हूँ कि वे संविधान द्वारा प्रदत्त दायित्व के अनुसार हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं की समृद्धि एवं विकास के लिए पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी ओर से पुनः हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

जय हिन्द !

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत